Semester II

Pedagogy History 7 A

Unit VI: Examination and Evaluation of History

a. Introduction
b. Meaning of Evaluation
c. Difference Between Evaluation And Measurement
d. Purpose of Evaluation
e. Techniques of Evaluation.
f. Essay Type Test.
g. New Type Tests or objective Type Tests
h. Types of objective Type Tests.
i. Defects of New Type Tests.
j. comparative study of objective Type And Essay Type Tests.
K. History Teacher And Evaluation Programme.
L. Specific Aims of History Teaching At The Secondary stage.

By.

Dr. Asha Kumari Gupta.

Asha Kumari Gupta

Scanned with CamScanner

वस्तुनिष्ठ परीक्षण के प्रकार
(TYPES OF OBJECTIVE TYPE TESTS)

वस्तुनिष्ठ जाँच निम्नलिखित दो प्रकार की होती है–

(1) प्रमापीकृत वस्तुनिष्ठ जाँच (Standardized Objective Tests),

(2) अध्यापक निर्मित-वस्तुनिष्ठ जाँच (Teacher-made Objective Tests)।

प्रमापीकृत तथा अध्यापक निर्मित जाँचों या परीक्षण में अन्तर केवल इतना है कि प्रथम को प्रमापीकृत करके दिया जाता है और इसका प्रयोग सामान्य रूप से किया जा सकता है। साथ ही इनका निर्माण विशेषज्ञों द्वारा किया जाता है। परन्तु अध्यापक निर्मित परीक्षणों का प्रयोग सामान्य रूप से नहीं किया जाता। इनका प्रयोग विशेष स्थानों पर विशेष परिस्थितियों में हो सकता है, क्योंकि इनका निर्माण विशेष परिस्थितियों को ध्यान में रखकर ही किया जाता है।

नवीन प्रणाली या वस्तुनिष्ठ जाँच के प्रश्न

वस्तुनिष्ठ जाँच के प्रश्नों के निम्नलिखित रूप हैं–

(अ) अभिज्ञान रूप (Recognition Type),

(ब) प्रत्यास्मरण रूप (Recall Type)।

(अ) अभिज्ञान रूप–इस प्रकार के प्रश्नों द्वारा पहचानने की शक्ति की जाँच की जाती है। इस रूप में प्रश्नों के कई उपभेद हैं, जो इस प्रकार हैं–

(1) सत्यासत्य या एकान्तर प्रत्युत्तर रूप (True-false or Alternate Response Type)।

(2) बहुविकल्प या अपवर्त्य-चयन रूप (Multiple Choice Type)।

(3) तुलनात्मक या मिलान या प्रतिद्वन्द्वात्मक रूप (Matching Type)।

(4) वर्गीकरण रूप (Classification Type)।

(ब) प्रत्यास्मरण रूप–इसके द्वारा छात्रों की स्मरण-शक्ति की जाँच की जाती है। इस प्रकार के प्रश्नों के दो उपभेद हैं–

(1) सरल प्रत्यास्मरण रूप (Simple Recall Type)।

(2) रिक्त स्थान पूर्ति रूप (Completion Type)।

इतिहास-शिक्षण में उक्त विभिन्न उपभेदों का प्रयोग किया जाता है। इन उपभेदों का उदाहरण सहित विवेचन नीचे प्रस्तुत किया जा रहा है।

(अ) अभिज्ञान रूप के प्रश्न

(1) सत्यासत्य–इनमें दो विकल्पों में से एक के चयन करने के लिए कहा जाता है। इस प्रकार के प्रश्नों में 'सत्य' एवं 'असत्य' दोनों ही प्रकार के कथन दिये जाते हैं। बालकों को इनके समक्ष 'सत्य' या 'असत्य' अथवा 'R' या 'W' अथवा 'हाँ' या 'नहीं' आदि लिखने के लिए आदेश दिया जाता है। इतिहास में इन प्रश्नों का प्रयोग विद्यालय के प्रत्येक स्तर के लिए किया जा सकता है।

Scanned with CamScanner

उदाहरण

निर्देश—निम्नलिखित कथनों को पढ़ो और सत्य कथन के सम्मुख 'सत्य' तथा असत्य के सामने 'असत्य' लिखिए—

1. महावीर स्वामी का जन्म महात्मा बुद्ध के पूर्व हुआ था। .....
2. चाणक्य ने 'अर्थशास्त्र' नामक ग्रन्थ की रचना की। .....
3. समुद्रगुप्त ने अश्वमेघ यज्ञ किया। .....
4. पृथ्वीराज चौहान ने नादिरशाह को तराइन के मैदान में हराया था। .....
5. अलाउद्दीन खिलजी तुगलक वंश का प्रतापी सुल्तान था। .....
6. अलाउद्दीन खिलजी ने देवगिरि को अपने साम्राज्य में मिला लिया था। .....
7. मुहम्मद-बिन-तुगलक ने दौलताबाद को अपनी राजधानी बनाया। .....
8. फिरोज तुगलक ने ताँबे का सिक्का चलाया था। .....
9. अकबर ने मुगल वंश की नींव को दृढ़ बनाया। .....
10. औरंगजेब ने शिवाजी के राज्याभिषेक पर अपना दूत भेंट देने के लिए भेजा था। .....

प्रो. घाटे का विचार है कि इस प्रकार के प्रश्नों को तथ्य-ज्ञान तथा निर्णय-शक्ति दोनों दृष्टि से तैयार किया जाय। इनको तैयार करते समय अध्यापक छात्रों की मानसिक आयु एवं योग्यता का ध्यान रखे।

(2) बहुविकल्प या अपवर्त्य चयन रूप—इस प्रकार के प्रश्नों में एक प्रश्न के उत्तर के रूप में कई विकल्प दिये रहते हैं जिनमें से छात्रों को अधिक उपयुक्त उत्तर छाँटने के लिए कहा जाता है। ये प्रश्न बहुत-से अभिप्रायों को पूर्ण करते हैं।

उदाहरण

(i) तिथियों के ज्ञान की परीक्षा (To Test the Knowledge of Dates)—

निर्देश—निम्नलिखित प्रश्नों के साथ कई तिथियाँ दी गई हैं, उनमें से जो सत्य हों उन पर √ चिन्ह लगाओ—

1. पानीपत का तृतीय युद्ध (1756, 1526, 1761, 1527 ई.) में हुआ था।
2. शिवाजी का जन्म (1552, 1707, 1605, 1630, 1682 ई.) में हुआ था।
3. औरंजजेब की मृत्यु (1757, 1919, 1707, 1948, 1680 ई.) में हुई थी।
4. सिपाही विद्रोह (1757, 1805, 1885, 1857, 1905 ई.) में हुआ था।

(ii) वैयक्तिक चरित्र-ज्ञान की परीक्षा (To Judge the Individual Character)—

1. शिवाजी (कमजोर, साहसी, उदार, विद्वान) था।
2. अशोक (धार्मिक, साहसी, विद्वान, निर्भय) था।
3. औरंगजेब (शक्की, उदार, कलाकार) मनुष्य था।

Asha Kumari Gupta
Scanned with CamScanner

(iii) तथ्य-ज्ञान की परीक्षा (To Judge the Knowledge of Facts)—

1. मुमताजमहल का पति (अकबर, जहाँगीर, औरंगजेब, शाहजहाँ) था।
2. शिवाजी ने अफजल खाँ का वध (पूना, प्रतापगढ़, दिल्ली) में किया था।
3. मुहम्मद तुगलक ने (चाँदी, सोने ताँबे, कागज, पीतल, चमड़े) का सिक्का चलाया।
4. शाहजहाँ ने (ग्वालियर का किला, सिकन्दरा का मकबरा, ताजमहल, चित्तौड़ का किला) बनवाया था।

(iv) निर्णय-शक्ति की जाँच (To Test Power of Judgement)—

मराठे पानीपत के मैदान में हार गये थे, क्योंकि—

1. उनके पास रसद की कमी थी।
2. उनकी सेना कम थी।
3. उन्होंने छापामार रणनीति छोड़ दी थी।
4. उनके सेनापति अयोग्य थे।

(3) तुलनात्मक या प्रतिद्वन्द्वात्मक रूप—इस प्रकार के प्रश्नों में छात्रों को दो सूचियों के विषयों में समानता या सम्बन्ध स्थापित करने के लिए कहा जाता है।

उदाहरण

निर्देश—बाईं ओर कुछ ऐतिहासिक व्यक्तियों के नाम दिये गये हुए हैं और दाहिनी ओर कुछ ऐतिहासिक घटनाएँ बिना किसी क्रम के दी हुई हैं। प्रत्येक ऐतिहासिक घटना को उससे सम्बन्धित व्यक्ति के साथ लिखिए—

(i) लार्ड वेलेजली	(i) 'भारत छोड़ो' आन्दोलन
(ii) लार्ड कर्जन	(ii) ब्रह्म समाज
(iii) वारेन हेस्टिंग्स	(iii) बंगाल विभाजन
(iv) क्लाइव	(iv) सहायक सन्धि
(v) राजा राममोहन राय	(v) अवध की बेगमों के साथ दुर्व्यवहार
(vi) महात्मा गाँधी	(vi) इस्तमरारी बन्दोबस्त
(vii) लार्ड कार्नवालिस	(vii) बंगाल का दोहरा प्रबन्ध
(viii) लार्ड लिटन	(viii) बर्मा का तीसरा युद्ध
(ix) लार्ड डफरिन	(ix) द्वितीय अफगान युद्ध
(x) सरदार पटेल	(x) माउण्टबेटन योजना
(xi) जवाहरलाल नेहरू	(xi) देशीय राज्यों का संगठन
(xii) लार्ड माउण्टबेटन	(xii) भारत पर चीन का आक्रमण

निर्देश—बाईं ओर कुछ ऐतिहासिक घटनाएँ दी हुई हैं और दाहिनी ओर अव्यवस्थित रूप में कुछ तिथियाँ दी हुई हैं। प्रत्येक तिथि को उससे सम्बन्धित घटना के साथ लिखिए—

Scanned with CamScanner

(i) पानीपत का प्रथम युद्ध	(i) 1857 ई.
(ii) प्लासी का युद्ध	(ii) 1527 ई.
(iii) फतेहपुर सीकरी का युद्ध	(iii) 1757 ई.
(iv) औरंगजेब की मृत्यु	(iv) 1526 ई.
(v) अकबर की मृत्यु	(v) 1192 ई.
(vi) गौतम बुद्ध की मृत्यु	(vi) 1800 ई.
(vii) पृथ्वीराज की मृत्यु	(vii) 1605 ई.
(viii) बाबर की मृत्यु	(viii) 433 ई. पू.
(ix) अशोक की मृत्यु	(ix) 1707 ई.
(x) नाना फड़नवीस की मृत्यु	(x) 1948 ई.
(xi) गाँधीजी की मृत्यु	(xi) 1530 ई.
(xii) सिपाही विद्रोह	(xii) 232 ई. पू.

नोट—उक्त तिथियों को सम्बन्धित घटनाओं के साथ कालक्रमानुसार भी लिखवाया जा सकता है। इस प्रकार लिखवाने से समय के अनुक्रम की भी जाँच की जा सकती है।

(4) वर्गीकरण रूप—यह तुलनात्मक प्रश्नों का एक अन्य रूप माना जा सकता है क्योंकि वर्गीकरण रूप के प्रश्नों के वही गुण एवं सीमाएँ हैं जो तुलनात्मक रूप के प्रश्नों के हैं। इनमें अन्तर केवल स्वरूप की दृष्टि से है। इस प्रकार के प्रश्नों के अन्तर्गत कुछ ऐसे शब्दों का समूह छात्रों के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है जिनमें से एक शब्द बेमेल होता है। छात्रों से उसी शब्द को छाँटने के लिए कहा जाता है।

उदाहरण

निर्देश—प्रत्येक प्रश्न में चार शब्द दिए गए हैं। प्रत्येक प्रश्न के इन शब्दों में एक ऐसा शब्द है जो अन्य शब्दों की श्रेणी में नहीं आता है। प्रत्येक प्रश्न में ऐसे शब्दों को रेखांकित कीजिए—

(1) प्लासी का युद्ध, धरमत का युद्ध, सहायक सन्धि, सामूगढ़ का युद्ध।

(2) अशोक, समुद्रगुप्त, लार्ड वेलेजली, चन्द्रगुप्त मौर्य।

(3) ग्वालियर, फतेहपुर सीकरी, कानपुर, दिल्ली।

(4) आइने-अकबरी, बाबरनामा, तुजुके-जहाँगीरी, सामवेद।

(ब) प्रत्यास्मरण रूप के प्रश्न

(1) सरल प्रत्यास्मरण रूप—इस प्रकार के प्रश्नों द्वारा छात्रों की प्रत्यास्मरण शक्ति की जाँच की जाती है। छात्र विषय से सम्बन्धित घटनाओं, तथ्यों आदि को किस प्रकार पुनःस्मरण कर सकते हैं, इसी को इस प्रकार के प्रश्नों द्वारा मालूम किया जाता है।

Asha Kumari Gupta
Scanned with CamScanner

उदाहरण

निर्देश—निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर उनके सम्मुख दिए गए स्थान पर लिखो—

(1) भारतीय स्वतन्त्रता का प्रथम संग्राम कब हुआ ? .....

(2) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना कब हुई ? .....

(3) स्वतन्त्रता से पूर्व बंगाल का विभाजन किस व्यक्ति ने किया ? .....

(4) शेरशाह ने कितने वर्ष तक राज्य किया ? .....

(5) शिवाजी की मृत्यु कब हुई थी ? .....

(6) अकबर ने कौन-कौन-सी इमारतों का निर्माण कराया? .....

(7) द्वितीय महायुद्ध कब शुरू हुआ था ? .....

(8) ताजमहल का निर्माण किसने करवाया था ? .....

(2) रिक्त स्थान की पूर्ति—इस प्रकार के प्रश्नों में छात्रों को रिक्त स्थानों की उपयुक्त शब्दों द्वारा पूर्ति करनी पड़ती है।

उदाहरण

निर्देश—निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थानों की उचित शब्दों द्वारा पूर्ति कीजिए—

1. सन् 1911 में.....इंगलैण्ड के सम्राट दिल्ली आये।
2. हैदरअली ने सन्.....में मद्रास पर हमला करके अंग्रेजों को सन्धि करने पर विवश किया।
3. अकबर और राणा प्रताप के बीच सन्.....ई. में हल्दीघाटी के मैदान में भयंकर युद्ध हुआ।
4. शिवाजी ने.....में अफजलखाँ का वध किया था।
5. शाहजहाँ ने.....की यादगार में.....का निर्माण आगरा में करवाया।
6. अकबर ने.....में बुलन्द दरवाजे का निर्माण कराया।
7. महात्मा गौतम बुद्ध की मृत्यु.....ई. पू. में हुई।
8. ब्रह्मसमाज के संस्थापक.....थे।
9. भारत.....अगस्त.....को स्वतन्त्र हुआ।
10. भारत के प्रथम राष्ट्रपति.....थे।

उपर्युक्त वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के जिन दो रूपों का विवेचन किया गया है, उनमें प्रयुक्त सभी प्रकार के प्रश्नों को **विशिष्टोत्तरात्मक प्रश्नों** (Specific Response Questions) के अन्तर्गत रखा जाता है। वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के अन्तर्गत **मुक्तोत्तरात्मक प्रश्न** (Free Response Questions) भी आते हैं। इसमें छात्र अपने दृष्टिकोण से

Scanned with CamScanner

उत्तर देने के लिए स्वतन्त्र होता है। इस प्रकार के प्रश्नों का रूप संक्षिप्त एवं निश्चित होता है। इस कारण इनको लघु उत्तरात्मक प्रश्न (Short Answer Type Questions) भी कहते हैं।

उदाहरण

निर्देश—निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। आपके उत्तर 50 शब्दों से अधिक में न हों—

1. सिकन्दर को भारत से क्यों लौटना पड़ा ?
2. भारतीयों से यूनानियों ने कौन-कौन-सी बातें सीखीं ?
3. मौर्य साम्राज्य के पतन के तीन कारण बताइये।
4. कनवाह के युद्ध में राणा सांगा की पराजय के तीन प्रमुख कारणों का उल्लेख कीजिए।
5. स्थायी बन्दोबस्त के किन्हीं तीन गुणों को बतलाइये।
6. सन् 1853 के चार्टर एक्ट की तीन धाराओं को लिखिए।
7. मौर्यकालीन इतिहास को जानने के चार साधनों के नाम लिखिए।
8. भारत के प्राचीन इतिहास को जानने के चार प्रमुख स्रोतों का उल्लेख कीजिए।

Asha Kumari Gupta

Scanned with CamScanner